

















“या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता।  
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमो नमः।”



# मां चंद्रघंटा

नवरात्रि के पावन पर्व  
पर तृतीय दिन मां चंद्रघंटा  
का ध्यान कर सभी के सुख  
एवं समृद्धि की कामना  
करता हूं।

## = मां चंद्रघंटा की आरती =

जय मां चंद्रघंटा सुख धामा।  
पूर्ण कीजो मेरे सभी काम॥

हर बुधवार जो तुझे ध्याये।  
श्रद्धा सहित जो विनय सुनाए॥

चंद्र समान तुम शीतल दाती।  
चंद्र तेज किरणों में समाती॥

मूर्ति चंद्र आकार बनाए।  
सञ्जुख धी की ज्योत जलाए॥

क्रोध को शांत करने वाली।  
मीठे बोल सिखाने वाली॥

थीरा झुका कहे मन की बाता।  
पूर्ण आस करो जगदाता॥

मन की मालक मन भाती हो।  
चंद्र घंटा तुम वरदाती हो॥

कांची पुर स्थान तुम्हारा।  
करनाटिका में मान तुम्हारा॥

सुंदर भाव को लाने वाली।  
हर संकट मे बचाने वाली॥

नाम तेरा रट महारानी।  
भक्त की रक्षा करो भगानी॥



**पंजाब डावद**  
विधानसभा : गुरुग्राम

/ pk4gurugram